निकाय चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत जनता के विश्वास की जीत : भजनलाल शर्मा

भाजपा की प्रचंड जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकास कार्यों को : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नगर निकाय चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत पर का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकास कार्यों को दिया। राठौड़ ने कहा कि संगठन और सत्ता के बीच बेहतर तालमेल, समन्वय बनाने वाले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय जाता है। अभी एक युद्ध हमने जीत लिया, अब

- शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिन-रात मेहनत कर प्रदेश सरकार की योजनाओं और संगठन के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया है

दूसरा युद्ध भी हमारे कार्यकर्ताओं की बदौलत जीतेंगे। कांग्रेसी गलत तरीके अपनाते थे, सदैव अफवाहें फैलाते थे जबकि भाजपा संगठन के बल पर जीत दर्ज करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा को नगर निगमों के साथ-साथ नगर परिषदों और नगर पालिकाओं में भी जनता का व्यापक समर्थन मिला है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर राजस्थान की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत प्रदेश की आठ करोड़ जनता के आशीर्वाद, भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे विकास कार्यों पर जनता के विश्वास की जीत है। शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिन-रात मेहनत कर प्रदेश सरकार की योजनाओं और संगठन के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता विकास और जनता के मुद्दों पर राजनीति करने के बजाय जातिवाद और धर्म के आधार पर राजनीतिक समीकरण बैठाने का काम करते हैं। भाजपा जनता के सुख-दुख में भागीदारी निभाती है, जबकि कांग्रेस चुनाव के समय जनता को भ्रमित और बरगलाने का काम करती है। उन्होंने कांग्रेस के सरकार के दुरुपयोग के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि चुनाव शुरू होने से पहले ही कांग्रेस ने सरकार पर आरोप लगाना शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को अपनी जमीन खिसकने का अहसास हो गया था, इसलिए वह पहले दिन से ही आरोप-प्रत्यारोप में जुट गई। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस को आरोप लगाने के बजाय अपने शासनकाल और वर्तमान भाजपा सरकार के कार्यों का हिसाब जनता के सामने रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार झूठ, भ्रम और तुष्टिकरण की राजनीति के माध्यम से जनता को गुमराह करने का प्रयास करती रही है। उन्होंने राजस्थान की जनता से कांग्रेस के बहकावे में नहीं आने का आग्रह किया।

भारतीय जनता पार्टी ने निकाय में जीत का जश्न मनाया। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, महामंत्री अजय कुमार एवं अनेक भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा के कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों का आव्हान करते हुए कहा कि वे जनता की संवेदनाओं से जुड़ें और उनके सुख-दुख में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

नगरीय निकाय प्रमुखों के चुनाव परिणामों में कांग्रेस का 9 जिलों में एक भी बोर्ड नहीं बन सका। बालोतरा, बाड़मेर, ब्यावर, भरतपुर, डीग, डूंगरपुर, कोटा, फलोदी, पाली जिले कांग्रेस विहीन हो गए है। वहीं कांग्रेस अजमेर, बांसवाड़ा, जैसलमेर, जालोर, प्रतापगढ़ और सिरोही जिलों में केवल एक-एक बोर्ड ही बना सकी है। यह परिणाम सरकार के ढाई साल के काम पर जनता की मुहर है। इससे पहले मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हुए 7 उपचुनाव में से भाजपा ने 5 उपचुनाव में जीत दर्ज की। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में इस बार सभी 10 नगर निगम, 47 नगर परिषद सहित 252 नगर पालिकाओं सहित 309 नगरीय निकायों में चुनाव एक साथ हुए हैं।

इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, विधायक बाल मुकुंदाचार्य, महेंद्र पाल मीणा, प्रदेश मंत्री अपूर्वा सिंह, पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष सुमन शर्मा, भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ, आईटी प्रभारी अविनाश जोशी सहित पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया और मुंह मिठा करवाया।

तिजारा नगर परिषद चेयरमैन के चुनाव में हाईकोर्ट का दखल से इनकार

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने तिजारा नगर परिषद के चेयरमैन पद के चुनाव में दखल से इनकार कर दिया है। जस्टिस अनूप कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश राम अवतार सैनी की ओर से दायर याचिका का निस्तारण करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता की ओर से लगाए गए आरोपों से मुख्य निर्वाचन आयोग पहले ही अवगत है और उन्होंने एसडीएम, भिवाड़ी से जांच रिपोर्ट तलब की है। ऐसे में अदालत निर्वाचन प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने की इच्छुक नहीं है।

- अदालत ने कहा कि लगाए गए आरोपों से मुख्य निर्वाचन आयोग पहले ही अवगत है और उन्होंने एसडीएम, भिवाड़ी से जांच रिपोर्ट तलब की है

अधिवक्ता पुनीत सिंघवी की ओर से कहा गया कि तिजारा नगर परिषद के चेयरमैन पद के लिए निर्वाचन होना है। जिसमें वार्ड संख्या 33 से निर्वाचित याचिकाकर्ता भी उम्मीदवार है। तिजारा विधायक बाबा बालक नाथ और नगर परिषद के चेयरमैन पद के उम्मीदवार सुभाष सैनी के निर्देश पर पुलिस ने याचिकाकर्ता का समर्थन करने वाले कुछ पार्षदों को अवैध रूप से निरुद्ध कर लिया है। याचिकाकर्ता ने इस संबंध में तिजारा उपखंड अधिकारी को शिकायत दी थी, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे में याचिकाकर्ता सहित अन्य पार्षदों को पुलिस सुरक्षा मुहैया कराई जाए और याचिकाकर्ता के समर्थक पार्षदों को मुक्त किए जाने तक चेयरमैन का चुनाव स्थगित किया जाए। जिसका विरोध करते हुए महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि याचिका में लगाए गए आरोप में राज्य पुलिस शामिल नहीं है। याचिकाकर्ता ने समान शिकायत रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष दायर की थी। और उन्होंने इसकी जांच एसडीएम, भिवाड़ी के जरिए कराने का आदेश दिया है। एजी ने कहा कि परिषद के एक पार्षद के तथाकथित वीडियो में निर्वाचित पार्षदों को पंचकूला में प्रतिबंधित बताया गया है, ऐसे में यदि यह अवैध हिरासत का मामला भी है तो याचिकाकर्ता के पास पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर करने का विकल्प मौजूद है।

'आपराधिक केस के तथ्य छिपाकर विवाह करना मानसिक क्रूरता'

जयपुर । जयपुर मेट्रो-प्रथम की पारिवारिक न्यायालय मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 ने एक फैसले में कहा कि क्रिमिनल केस की तथ्यों की जानकारी छिपाकर विवाह करना मानसिक क्रूरता है। ऐसा करना भरोसे की नींव को नष्ट करने वाला है और मानसिक क्रूरता की श्रेणी में आता है। शादी के एक-दो दिन बाद ही पुलिस अप्रार्थी पति को गिरफ्तार कर ले गई, ऐसे में शादी के समय पत्नी को भ्रमित किया गया।

- प्रार्थिया ने पति के खिलाफ तलाक की अर्जी दायर कर कहा कि शादी से पहले ससुराल पक्ष ने अप्रार्थी के खिलाफ दर्ज क्रिमिनल केस दर्ज होने व उसके चरित्र की जानकारी नहीं दी

पीठासीन अधिकारी आरती भारद्वाज ने यह आदेश पत्नी की ओर से दायर तलाक याचिका को मंजूर करते हुए दिए। प्रार्थिया की शादी 30 अप्रैल, 2021 को जयपुर में हिन्दू रीति-रिवाज से अप्रार्थी के साथ हुई थी। विवाह के दो दिन बाद ही 2 मई को पुलिस उसके पति को किसी मामले में गिरफ्तार कर ले गई। जिस पर प्रार्थिया ने पति के खिलाफ तलाक की अर्जी दायर कर कहा कि शादी से पहले ससुराल पक्ष ने अप्रार्थी के खिलाफ दर्ज क्रिमिनल केस दर्ज होने व उसके चरित्र की जानकारी नहीं दी। शादी के बाद उसे पता चला कि अप्रार्थी पति के खिलाफ ठगी व धोखाधड़ी के क्रिमिनल केस दर्ज हैं। कई केसों में चालान पेश हो चुका है और शादी से पहले व बाद में गिरफ्तार हुआ है। इस शादी से वह खुद ठगा महसूस करती है। प्रार्थिया ससुराल में केवल एक ही दिन रही और इसके बाद पक्षकारों के बीच कोई वैवाहिक संबंध स्थापित नहीं हुए हैं।

शिव एन्क्लेव के क्षेत्र में सब-स्टेशन बनाने को लेकर यथास्थिति के आदेश

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने वंदे मातरम रोड स्थित शिव एन्क्लेव स्कीम के सुविधा क्षेत्र में विद्युत सब-स्टेशन के लिए भूमि देने पर यथास्थिति के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रमुख यूडीएच सचिव, जेडीए, जेवीवीएनएल और जेडीए के स्थानीय जोन उपायुक्त से जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश शिव एन्क्लेव विकास समिति की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता गोविंद उपाध्याय ने अदालत को बताया कि कॉलोनी में 2436 वर्गमीटर भूमि सुविधा क्षेत्र के लिए आरक्षित रखी गई थी। इसमें से अब करीब 1892 वर्गमीटर जमीन को 132 केवी विद्युत सब-स्टेशन बनाने के लिए दिया जा रहा है। याचिका में कहा गया कि यहां विद्युत सब-स्टेशन बनने से स्थानीय निवासियों को कोई लाभ नहीं मिलेगा। ऐसे में इस कार्रवाई को रद्द किया जाए।

6.80 करोड़ के बॉस स्कैम में 11वां आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। प्रदेश में 6.80 करोड़ रुपए के बॉस स्कैम साइबर ठगी मामले में साइबर क्राइम पुलिस ने 11वें आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित खारवेल नगर से एसएसजीसी इंजिनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर विवजीत टी को पकड़ा। जांच में सामने आया कि आरोपी के नियंत्रण वाले आईसीआईसीआई बैंक खाते में साइबर ठगी की रकम में से करीब 2 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए थे। खाते में रकम आने के बाद उसे दूसरे बैंक खातों में आगे भेजा गया।

- पुलिस ने ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित खारवेल नगर से एसएसजीसी इंजिनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर विवजीत टी को पकड़ा। जांच में सामने आया कि आरोपी के नियंत्रण वाले आईसीआईसीआई बैंक खाते में साइबर ठगी की रकम आने के बाद उसे दूसरे बैंक खातों में आगे भेजा गया था।

एडीजी साइबर क्राइम वीके सिंह ने बताया कि बैंकिंग ट्रेल और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की साइबर ठगी नेटवर्क में भूमिका संदिग्ध मिली। उसे भुवनेश्वर से डिटेन कर ट्रांजिट रिमांड पर जयपुर लाया गया है।

जांच और आरोपियों से पूछताछ में ठगी की रकम को एक खाते से दूसरे खाते में पहुंचाने और छिपाने का नेटवर्क सामने आया है। गिरोह म्यूल बैंक खातों के साथ एटीएम, चेक, यूपीआई, क्यूआर कोड, डिजिटल वॉलेट और क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल करता था। फर्जी और म्यूल बैंक खाते, एटीएम, सिम और पासबुक उपलब्ध कराने के लिए टेलीग्राम ग्रुप का इस्तेमाल किया जाता था।

ठगी की रकम खाते में आते ही एटीएम या चेक से नकद निकाली जाती अथवा यूपीआई, क्यूआर कोड, सीडीएम और दूसरे खातों में ट्रांसफर की जाती। इसके बाद कई खातों में रकम घुमाकर लेयरिंग की जाती और क्रिप्टोकरेंसी में बदल दी जाती थी। पुलिस के अनुसार टेलीग्राम पर उपलब्ध क्यूआर कोड क्रिप्टो प्लेटफॉर्म के जरिए रकम नेटवर्क के आगे के सदस्यों तक पहुंचाई जाती थी। पुलिस के अनुसार साइबर ठगी से जुड़े लोगों ने सब्सिडी, टैक्स छूट और एमएसएमई लोन दिलाने के बहाने आरोपी की कंपनी से संबंधित दस्तावेज हासिल किए थे। इसके बाद आरोपी ने संबंधित लोगों के कहने पर भुवनेश्वर के चंद्रशेखरपुर स्थित बैंक में खाता खुलवाया।

पुलिस के मुताबिक 21 अगस्त को आरोपी दीघा, पश्चिम बंगाल गया था। वहां उसकी मुलाकात एक व्यक्ति से हुई। आरोपी ने बैंक खाते से लिंक मोबाइल सिम और इंटरनेट बैंकिंग की आईडी-पासवर्ड उसे उपलब्ध कराए थे। आरोपी को बताया गया था कि उसके कंपनी खाते में रकम आएगी और उसे दूसरे खातों में ट्रांसफर करने के बदले कमीशन मिलेगा।

पुलिस के अनुसार कंपनी खाते में साइबर ठगी की रकम आने के बाद उसे अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया। अब आरोपी के मोबाइल फोन, सीडीआर, व्हाट्सऐप और अन्य डिजिटल संपर्कों के साथ बैंकिंग लेन-देन का विश्लेषण किया जा रहा है।

पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने बैंक खाता, सिम और इंटरनेट बैंकिंग का एक्सेस किस स्तर की जानकारी और सहमति से उपलब्ध कराया। संभावित कमीशन या आर्थिक लाभ की भूमिका की भी जांच की जा रही है। रकम किन-किन खातों में पहुंची और नेटवर्क में और कौन लोग जुड़े हैं, इसका पता लगाया जा रहा है।

साइबर पुलिस ने लोगों से अपना बैंक खाता, एटीएम, सिम या डिजिटल वॉलेट किसी अन्य व्यक्ति को इस्तेमाल के लिए नहीं देने की अपील की है। खाते में आई किसी संदिग्ध रकम को बिना सत्यापन के दूसरे खाते में ट्रांसफर करने या नकद निकालकर किसी को देने से भी बचने को कहा है।

टेलीग्राम पर गेम में मुनाफे का झांसा देकर युवक से 1.75 लाख ठगे

जयपुर। राजधानी के भट्टाबस्ती थाना इलाके में टेलीग्राम पर पार्ट टाइम काम और गेम में मुनाफे का झांसा देकर साइबर ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने पहले प्रतिदिन दो सौ से पांच सौ रुपए कमाने का लालच दिया। इसके बाद गेम में रुपए जमा कराने पर मुनाफा देने की बात कहकर टास्क पर टास्क दिए और रकम जमा कराते रहे। फंसी रकम वापस निकालने के लालच में पीड़ित करीब 1.75 लाख रुपए गंवा बैठा। पुलिस शिकायत करने की बात कहने पर ठगों ने उसे ब्लॉक कर दिया। मामले में भट्टाबस्ती थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई है। एसएचओ भट्टाबस्ती सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि शास्त्री नगर के विजय नगर निवासी इमरान खान (36) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित के अनुसार 29 अगस्त को टेलीग्राम पर पार्ट टाइम काम का मैसेज आया। इसमें प्रतिदिन दो सौ से पांच सौ कमाने की बात कही गई थी। मैसेज में दिए लिंक पर क्लिक करने पर उसे एक ग्रुप से जोड़ दिया गया। ग्रुप में बताए गेम में कहा गया कि 2 हजार रुपए जमा करने पर 2500 रुपए मिलेंगे। पीड़ित ने रकम जमा कर दी, लेकिन टास्क पूरा नहीं हुआ। इसके बाद उसे मैसेज भेजकर टास्क पूरा करने के लिए 26,995 रुपए जमा कराने को कहा गया।

इसके बाद ठगों ने अलग-अलग टास्क के नाम पर रकम जमा कराने का सिलसिला शुरू कर दिया। पीड़ित से 58,600 रुपए और जमा कराने को कहा गया। रुपए नहीं होने पर ठगों ने किसी से व्यवस्था करने के लिए कहा और भरोसा दिलाया कि 10 मिनट में टास्क पूरा होते ही 1,06,550 रुपए मिल जाएंगे।

- ठगों ने पहले प्रतिदिन दो सौ से पांच सौ रुपए कमाने का लालच दिया। इसके बाद गेम में रुपए जमा कराने पर मुनाफा देने की बात कहकर टास्क पर टास्क दिए और रकम जमा कराते रहे

पीड़ित ने झांसे में आकर रकम जमा करा दी। इसके बाद उसे एक और टास्क देकर 85,600 रुपए जमा कराने को कहा गया। मना करने पर ठगों ने बताया कि टास्क पूरा होते ही उसके खाते में 2.06 लाख रुपए आएंगे। फंसी रकम वापस पाने के लालच में पीड़ित ने यह रकम भी जमा करा दी।

लगातार रकम जमा कराने के बाद भी पैसे वापस नहीं मिले। ठग नए टास्क देकर भुगतान करने का दबाव बनाते रहे। परेशान होकर पीड़ित ने गेम खेलना बंद कर दिया। 15 सितंबर को सुबह उसे टास्क पूरा करने के लिए कॉल आया। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत करने की बात कही तो आरोपियों ने उसे ब्लॉक कर दिया। इसके बाद पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ और उसने भट्टाबस्ती थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर टेलीग्राम ग्रुप, मोबाइल नंबर और लेन-देन से जुड़े विवरण के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

नगर निगम जयपुर के अध्यक्ष पद के लिए 4 अभ्यर्थी वैध रूप से नामांकित

जयपुर। नगर निगम जयपुर के अध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिए नामांकन-पत्रों की संवीक्षा के बाद चार अभ्यर्थी विधिमान्य रूप से नामांकित पाए गए हैं।

- नामांकन-पत्रों की संवीक्षा के बाद चार अभ्यर्थी विधिमान्य रूप से नामांकित

लोक सूचना में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जारी विधिमान्य नामनिर्देशित अभ्यर्थियों की सूची के अनुसार चारों अभ्यर्थियों का विवरण इस प्रकार है।

अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष निर्वाचन रिटर्निंग अधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि विधिमान्य रूप से नामांकित अभ्यर्थियों में सुनीता गुप्ता मावर (इंडियन नेशनल कांग्रेस), सुनील (भारतीय जनता पार्टी), दशरथ अटल (निर्दलीय) तथा सुनीता (निर्दलीय) शामिल हैं। इनमें सुनीता गुप्ता मावर अन्य पिछड़ा वर्ग, सुनील सामान्य, दशरथ अटल अनुसूचित जाति तथा सुनीता सामान्य वर्ग से हैं।

थार ने स्कूटी को मारी टक्कर, डेयरी संचालक की मौत

जयपुर। सांगानेर थाना इलाके में शनिवार सुबह तेज रफ्तार थार की टक्कर से स्कूटी सवार डेयरी संचालक की मौत हो गई। हादसे के बाद थार चालक मौके से फरार हो गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सोमवार को सामने आया है, जिसमें ब्लैक कलर की थार पीछे से स्कूटी को टक्कर मारती नजर आ रही है। पुलिस ने हिट एंड रन मामले में फरार आरोपी की तलाश के लिए दो टीमें गठित की हैं।

सांगानेर हरवेन्द्र सिंह ने बताया कि हादसे में सांगानेर के बुद्धिसंहपुरा निवासी नवल शर्मा (57) की मौत हो गई। नवल शर्मा शनिवार सुबह करीब 6 बजे स्कूटी से अपनी दूध डेयरी पर काम के लिए घर से निकले थे। वे चीलगाड़ी रेस्टोरेंट से कुछ दूरी पर स्थित हनुमान मंदिर के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आई थार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद नवल शर्मा सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद थार चालक बिना रुके मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल नवल शर्मा को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उन्हें एसएमएस अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

- हादसे के बाद थार चालक बिना रुके मौके से फरार हो गया

घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में ब्लैक कलर की थार पीछे से स्कूटी को टक्कर मारती दिखाई दे रही है। पुलिस के अनुसार थार बिना नंबर की बताई जा रही है। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

पुलिस ने एसएमएस अस्पताल में रविवार दोपहर पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। हिट एंड रन मामले में फरार आरोपी चालक की तलाश के लिए पुलिस की दो टीमें लगाई गई हैं। बिना नंबर की थार की तलाश में पुलिस रूट चार्ट तैयार कर रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे कैमरों से थार के आने-जाने का रूट पता लगाने के साथ आरोपी चालक की पहचान के प्रयास कर रही है।

पंडित दीनदयाल की जयंती पर अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक शोध संगोष्ठी का शुभारंभ

जयपुर । पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के अवसर पर केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक शोध संगोष्ठी 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानवदर्शन एवं भारतीय ज्ञान परंपरा' का सोमवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के नूतन सभागार में शुभारंभ हुआ। संगोष्ठी का आयोजन ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यमों से किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश के विद्वान, शिक्षक, शोधार्थी एवं शिक्षाविद् सहभागिता कर रहे हैं।

संगोष्ठी में ''दीनदयाल उपाध्याय विचारितम् एकात्म मानवदर्शनम्'' पुस्तक का विमोचन किया।

- संगोष्ठी का आयोजन ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यमों से किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश के विद्वान, शिक्षक, शोधार्थी एवं शिक्षाविद् सहभागिता कर रहे हैं

उद्घाटन सत्र में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी मुख्य अतिथि तथा प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय संगठन मंत्री जे. नंदकुमार मुख्य वक्ता रहे। सिडनी संस्कृत स्कूल, ऑस्ट्रेलिया की संस्थापक प्राचार्य एवं पीआरओ डॉ. मीनाक्षी श्रीनिवासन ऑनलाइन माध्यम से विशिष्ट अतिथि के रूप में जुड़ीं। इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति, जयपुर के अध्यक्ष प्रो. मोहन लाल छीपा तथा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र भी मंचासीन रहे।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. श्रीनिवास वरखेडी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल ज्ञान अर्जित करने की परंपरा नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, समाज, प्रकृति और समस्त सृष्टि के बीच संतुलित एवं समन्वित संबंध स्थापित करने की दृष्टि प्रदान करती है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानवदर्शन इसी भारतीय चिंतन परंपरा को आधुनिक संदर्भों में समझने और समाज के समग्र विकास की दिशा में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और शोध के माध्यम से भारतीय चिंतन की प्रासंगिकता को वैश्विक स्तर पर सामने लाने की आवश्यकता है।

मुख्य वक्ता जे. नंदकुमार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन एवं एकात्म मानवदर्शन के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दीनदयाल उपाध्याय का चिंतन भारतीय जीवन-दृष्टि की गहरी समझ पर आधारित था।

ऑस्ट्रेलिया से ऑनलाइन जुड़ीं डॉ. मीनाक्षी श्रीनिवासन ने भारतीय ज्ञान परंपरा के वैश्विक संदर्भ पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृत एवं भारतीय ज्ञान परंपरा का अध्ययन भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं है।

इस अवसर पर जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्व विद्यालय के कुलगुरु प्रो. मदन मोहन झा, पूर्व निदेशक प्रो. वाई. एस. रमेश, सह निदेशक प्रो. विष्णुकांत पाण्डेय, प्रो. शीशराम, डॉ. रानी दाधीच, डॉ. सीमा अग्रवाल, डॉ. सच्चिदानंद स्नेही सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्राच्यविद्या सम्मेलन की तैयारियों को लेकर बैठक

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय में आगामी 52वें अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। सम्मेलन का आयोजन 29 से 31 अक्टूबर 2026 तक पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार में किया जाएगा। सम्मेलन का प्रमुख विषय योग, आयुर्वेद एवं अन्य प्राचीन चिकित्सा पद्धितयां'' है। सम्मेलन में योग, आयुर्वेद, भारतीय चिकित्सा पद्धित, आध्यात्मिक आयाम, वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था, योग मनोविज्ञान तथा समेकित चिकित्सा जैसे विषयों पर विद्वानों एवं शोधार्थियों द्वारा विचार-विमर्श किया जाएगा। विभिन्न समितियों द्वारा किए जा रहे कार्यों का परीक्षण करते हुए नई समितियों का गठन, कार्यों का पुनर्वितरण तथा नई जिम्मेदारियों का निर्धारण किया। इस अवसर पर प्रति-कुलपति पूज्या साध्वी देवप्रिया, क्रय समिति अध्यक्षा बहन अंशुल, संप्रेषण विभाग प्रमुख बहन पारूल, वित्त अधिकारी सी.ए. ऋचा भगत, संकायाध्यक्ष प्रो. मयंक अग्रवाल, कुलसचिव, शिक्षकगण, विद्यार्थी समन्वयक एवं कक्षा प्रतिनिधि मौजूद रहे।

निकायों की सत्ता में भाजपा का दबदबा, 301 में 197 अध्यक्ष पद पर कब्जा

कांग्रेस 94 निकायों तक सीमित; निर्दलीयों ने कई जगह बदले समीकरण

जयपुर। राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव में पार्षदों के नतीजों के बाद सोमवार को अध्यक्ष, सभापति और महापौर के चुनाव के साथ प्रदेश की शहरी राजनीति की तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई। वार्ड चुनाव में जहां भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला कई शहरों में कांटे का रहा, वहीं अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा ने बड़ी संख्या में निकायों की कमान अपने हाथ में लेने में सफलता हासिल की। उपलब्ध परिणामों के अनुसार 301 घोषित निकायों में भाजपा के 197 अध्यक्ष चुने गए हैं, जबकि कांग्रेस 94 निकायों में अध्यक्ष पद हासिल कर सकी। निर्दलीय प्रत्याशी सात निकायों में अध्यक्ष बने हैं। आम आदमी पार्टी, माकपा और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को भी एक-एक निकाय में अध्यक्ष पद मिला है।

अध्यक्ष पद के ये आंकड़े इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वार्ड चुनाव के दौरान भाजपा और कांग्रेस के बीच अंतर बहुत बड़ा नहीं था। भाजपा ने 4179 वार्ड जीते थे, जबकि कांग्रेस के खाते में 3613 वार्ड आए। निर्दलीयों ने भी 2273 वार्ड जीतकर दोनों प्रमुख दलों के बाद अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। ऐसे में अध्यक्ष और महापौर के चुनाव के लिए पार्षदों के बीच समर्थन जुटाना राजनीतिक दलों के लिए अगली बड़ी चुनौती बन गया था।

अजमेर में कांग्रेस नगर निगम में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सामने आई, लेकिन महापौर के चुनाव में भाजपा की अनामिका शर्मा 43 वोट लेकर विजयी रहीं। भाजपा के पास 32 पार्षद थे, जबकि उसे 11 निर्दलीय पार्षदों का समर्थन मिला। कांग्रेस प्रत्याशी को 37 वोट मिले। यानी वार्डों का शुरुआती गणित महापौर के चुनाव में बदल गया।

पाली में भी महापौर चुनाव के दौरान अलग तस्वीर सामने आई। यहां कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी रही, लेकिन महापौर चुनाव में भाजपा की नमिता बुबकिया ने जीत दर्ज की।

वार्ड चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। अध्यक्ष पद के परिणामों ने इस बढ़त को और विस्तार दिया है। 301 घोषित अध्यक्ष पदों में भाजपा के 197 और कांग्रेस के 94 अध्यक्ष चुने गए हैं। यानी घोषित परिणामों में भाजपा के अध्यक्ष पदों की संख्या कांग्रेस की तुलना में दो गुने से भी अधिक है।

उदयपुर में भाजपा के पारस सिंघवी ने 55 वोट हासिल किए, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी को 25 वोट मिले। बीकानेर में कांग्रेस ने महापौर पद हासिल किया।

अध्यक्ष पद के चुनाव में आम आदमी पार्टी, माकपा और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के खाते में एक-एक अध्यक्ष पद आया। बारां में आम आदमी पार्टी की शीतल राठौड़ अध्यक्ष चुनी गईं, जिससे राजस्थान के शहरी निकायों में पार्टी का पहला बोर्ड बनने की बात सामने आई।